कलर स्ट्रिप द्वारा हीमोग्लोबिन मापना

Haemoglobin Color Strips

उद्देश्य

- कलर स्ट्रिप के द्वारा हीमोग्लोबिन मापने की विधि जानना।

परिचय

- इस विधि का इस्तेमाल अनीमिया का पता लगाने के लिए किया जाता है।
- इस विधि द्वारा गंभीर अनीमिया की पहचान शीघ्र की जा सकती है।
- कलर स्ट्रिप का इस्तेमाल केवल आउटरिच (outreach) सत्र के दौरान ही किया जाता है।
- इस विधि के इस्तेमाल से जिस महिला का हीमोग्लोबिन कम आता है उसे स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर पुनः अनीमिया की जांच करवानी चाहिए।

उपकरण

- लेनसेट
- स्पिरिट स्वाब
- कलर स्केल व स्ट्रिप
- ब्लोटिंग पेपर

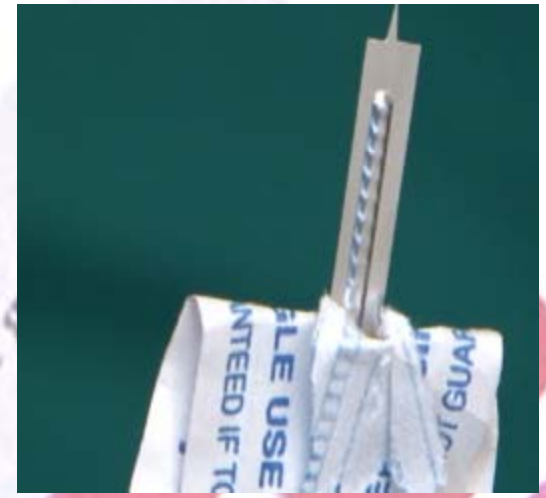

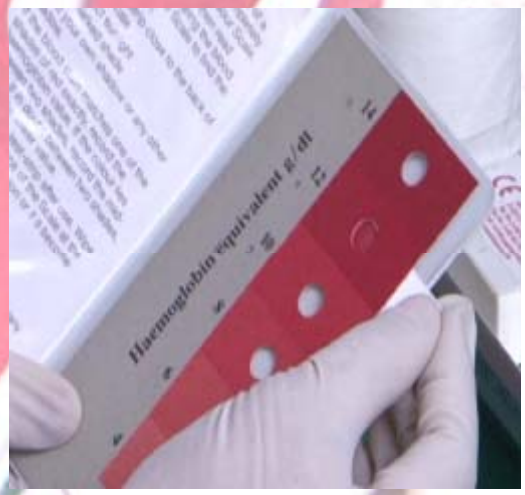

विधि

1 दाएं हाथ की मध्य उंगली या रिंग फिंगर के ऊपरी हिस्से को स्पिरिट स्वाब से साफ करें और उसे सूखने दें।

2 उंगली पर लेनसेट की सहायता से प्रिक करें व लेनसेट को पंक्चर प्रूफ कंटेनर में डिस्पोज कर दें।

विधि

3 खून निकालने के लिए उंगली को दबाएं नहीं व खून को अपने आप उंगली से निकलने दें व ब्लोटिंग पेपर से इस खून को एक ही बिंदू पर सोख लें।

4 उंगली पर स्पिरिट स्वाब रखकर महिला को अंगुठे से दबाने के लिए कहें।

विधि

- ब्लोटिंग पेपर पर जो खून का रंग आया है उसे कलर स्केल से मिलान करें और हीमोग्लोबिन का स्तर जानें।
- ब्लोटिंग पेपर को पीले बैग में निस्तारित करें। हीमोग्लोबिन के रीडिंग को रिकॉर्ड करें और महिला को आवश्यकतानुसार परामर्श दें।

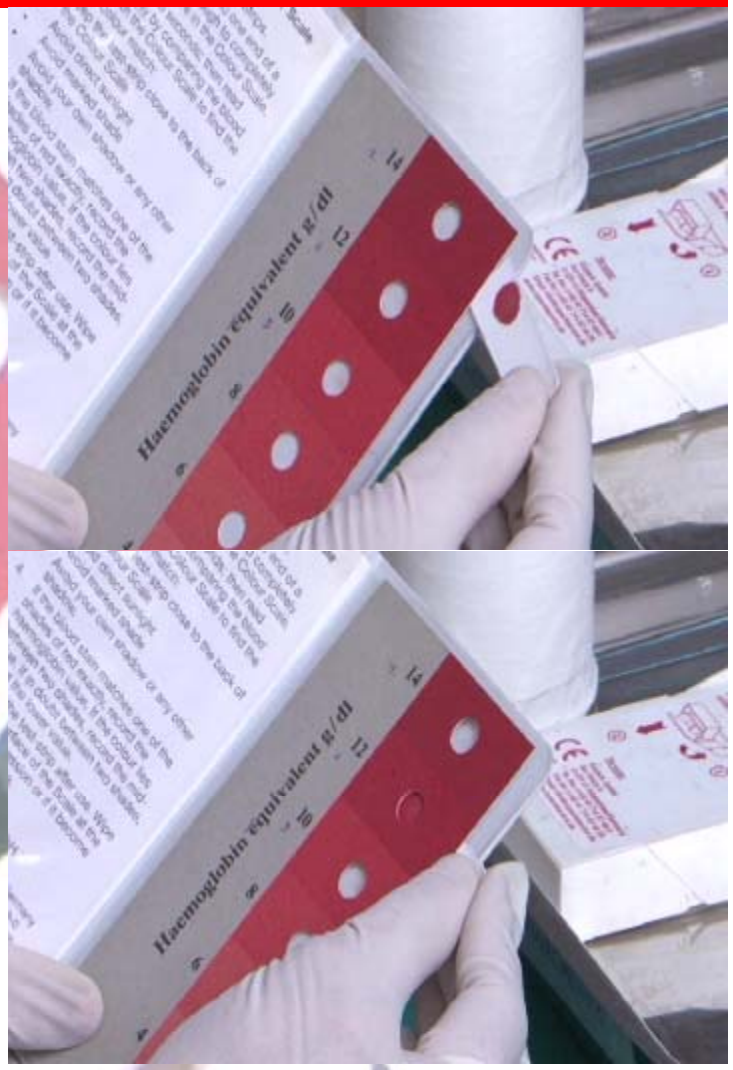

सारांश

- गर्भावस्था के दौरान अनीमिया की शीघ्र पहचान व उसका उपचार जरूरी है।
- हर प्रसव पूर्व स्वास्थ्य जांच के दौरान हीमोग्लोबिन की जांच करना जरूरी है और आवश्कतानुसार महिला को आयरन फोलिक एसिड की गोलियां दें।
- महिला को आयरन फोलिक एसिड की गोलियां खाने की जरूरत व महत्व समझाएं।

धन्यवाद